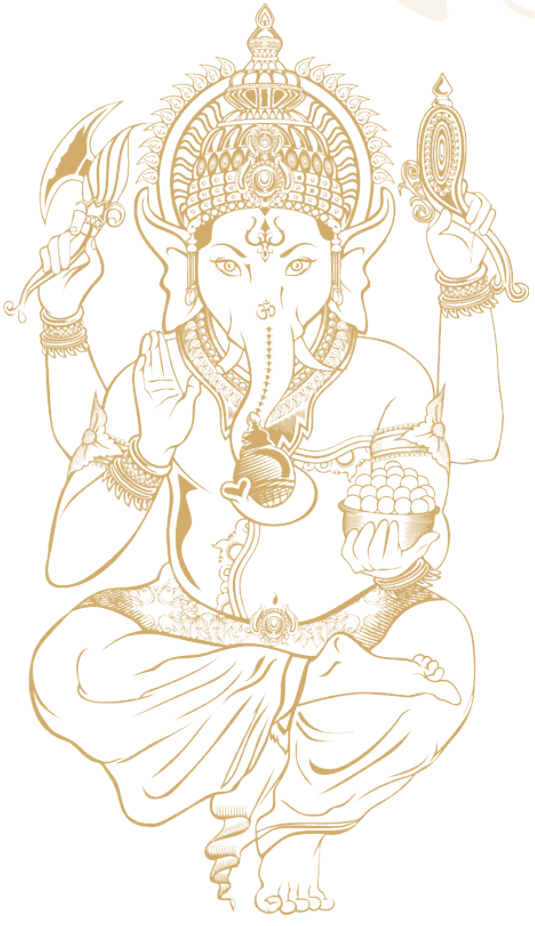

Harjeet Singh

15 Oct 1995

10:00 PM

Dhuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 120984006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/10/1995**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	38:49:15 घटी
स्थान	**Dhuri**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:22:00 उत्तर
रेखांश	75:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:33:32 घंटे
वेलान्तर	00:14:05 घंटे
साम्पातिक काल	23:08:28 घंटे
सूर्योदय	06:28:17 घंटे
सूर्यास्त	17:56:09 घंटे
दिनमान	11:27:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:02:32 कन्या
लग्न के अंश	07:52:32 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:52:32	328:15:02	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कन्या	28:02:32	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मिथु	17:09:24	11:52:21	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	02:30:20	00:42:32	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध			कन्या	11:26:33	00:17:44	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	19:06:35	00:10:44	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	12:52:23	01:14:40	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	25:20:39	00:03:29	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु			तुला	02:43:22	00:00:28	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			मेष	02:43:22	00:00:28	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	02:45:41	00:00:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:00:18	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	05:14:34	00:02:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	22:12:01	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:00

लग्न-चलित

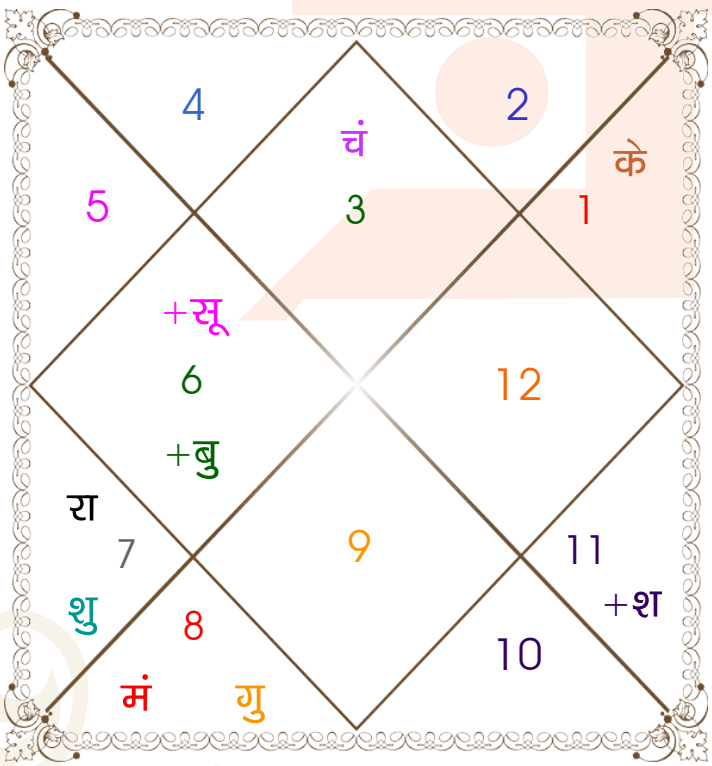

चन्द्र कुंडली

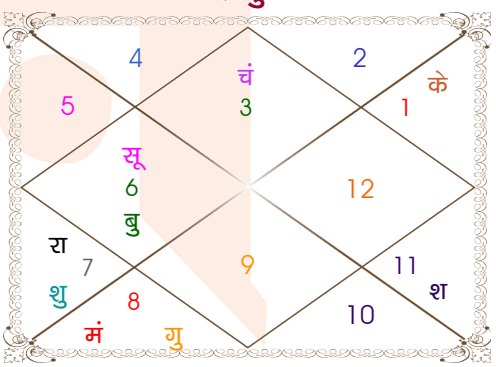

नवमांश कुंडली

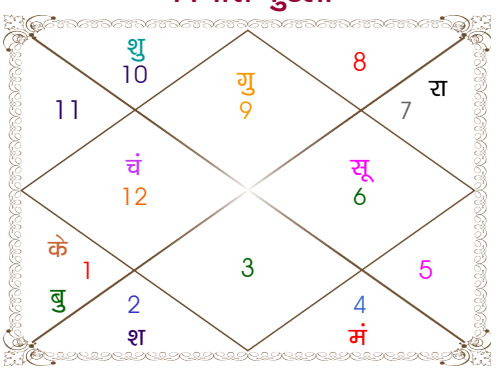

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 3 वर्ष 10 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/10/1995		17/08/1999		17/08/2015		17/08/2034		17/08/2051	
17/08/1999		17/08/2015		17/08/2034		17/08/2051		17/08/2058	
	00/00/0000	गुरु	05/10/2001	शनि	20/08/2018	बुध	13/01/2037	केतु	14/01/2052
	00/00/0000	शनि	17/04/2004	बुध	29/04/2021	केतु	10/01/2038	शुक्र	15/03/2053
	00/00/0000	बुध	24/07/2006	केतु	08/06/2022	शुक्र	10/11/2040	सूर्य	21/07/2053
	00/00/0000	केतु	30/06/2007	शुक्र	08/08/2025	सूर्य	16/09/2041	चंद्र	19/02/2054
	15/10/1995	शुक्र	28/02/2010	सूर्य	21/07/2026	चंद्र	16/02/2043	मंगल	18/07/2054
शुक्र	05/03/1996	सूर्य	17/12/2010	चंद्र	19/02/2028	मंगल	13/02/2044	राहु	05/08/2055
सूर्य	28/01/1997	चंद्र	17/04/2012	मंगल	30/03/2029	राहु	01/09/2046	गुरु	11/07/2056
चंद्र	30/07/1998	मंगल	24/03/2013	राहु	04/02/2032	गुरु	07/12/2048	शनि	20/08/2057
मंगल	17/08/1999	राहु	17/08/2015	गुरु	17/08/2034	शनि	17/08/2051	बुध	17/08/2058

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/08/2058		17/08/2078		17/08/2084		17/08/2094		18/08/2101	
17/08/2078		17/08/2084		17/08/2094		18/08/2101		00/00/0000	
शुक्र	17/12/2061	सूर्य	05/12/2078	चंद्र	17/06/2085	मंगल	13/01/2095	राहु	30/04/2104
सूर्य	17/12/2062	चंद्र	05/06/2079	मंगल	16/01/2086	राहु	01/02/2096	गुरु	24/09/2106
चंद्र	17/08/2064	मंगल	11/10/2079	राहु	18/07/2087	गुरु	07/01/2097	शनि	31/07/2109
मंगल	17/10/2065	राहु	04/09/2080	गुरु	16/11/2088	शनि	16/02/2098	बुध	17/02/2112
राहु	17/10/2068	गुरु	23/06/2081	शनि	17/06/2090	बुध	13/02/2099	केतु	07/03/2113
गुरु	18/06/2071	शनि	05/06/2082	बुध	17/11/2091	केतु	12/07/2099	शुक्र	16/10/2115
शनि	17/08/2074	बुध	12/04/2083	केतु	17/06/2092	शुक्र	11/09/2100		00/00/0000
बुध	17/06/2077	केतु	17/08/2083	शुक्र	16/02/2094	सूर्य	17/01/2101		00/00/0000
केतु	17/08/2078	शुक्र	17/08/2084	सूर्य	17/08/2094	चंद्र	18/08/2101		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 3 वर्ष 10 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।